



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 21]  
No. 21]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 19, 1990/पौष 29, 1911  
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 19, 1990/PAUSA 29, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

बीमा प्रभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1990

भारतीय जीवन बीमा निगम (सेवा समाप्त विकास  
अधिकारियों की पुनर्नियुक्ति) नियम, 1990

सा.का.नि. 23(अ) :—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा  
निगम अधिनियम 1956 (1956 का 31) की धारा 48  
की उपधारा (2) के खंड (गग) के साथ पठित उपधारा  
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेवा समाप्त  
विकास अधिकारियों की पुनर्नियुक्ति का विनियमन करने के  
लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और लागू होना :

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम (सेवा समाप्त विकास अधिकारियों की पुनर्नियुक्ति) नियम, 1990 है।
- (2) ये 1 अप्रैल, 1988 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
- (3) कर्मचारिवृन्द नियमों के नियम 12 में किसी बात के होते हुए भी, ये नियम ऐसे विकास अधिकारियों की पुनर्नियुक्ति के लिए लागू होंगे जिनकी सेवाएं भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के कुछ निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1989 के नियम 8 के अधीन समाप्त कर दी जाती हैं।

2. परिभाषा :

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो —

(क) “(कर्मचारिवृंद) नियम” से भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारिवृंद) नियम, 1960 अभिप्रेत है;

- (ख) “विकास अधिकारी पुनरीक्षण नियम” से भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के कुछ निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1989 अभिप्रेत है;
- (ग) “सेवा समाप्ति” से विकास अधिकारी पुनरीक्षण नियम के नियम 8 के अनुसरण में सेवा की समाप्ति अभिप्रेत है;
- (घ) “सेवा समाप्त विकास अधिकारी” से ऐसा विकास अधिकारी अभिप्रेत है जिसकी सेवाएं विकास अधिकारी पुनरीक्षण नियम के नियम 8 के अनुसरण में समाप्त कर दी जाती हैं;
- (ङ) “पुनर्नियुक्ति” से वगैरे 3 संश्लेषणित सहायक या अभिलेख लिपिक के पद पर निगम की सेवा में पुनर्नियुक्ति अभिप्रेत है;
- (ज) उन पदों और बाकायों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु (कर्म-चानिबन्ध) नियमों या विकास अधिकारी पुनरीक्षण नियमों में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उन नियमों में हैं;

### 3. पात्रता की शर्तें और पुनर्नियुक्ति के लिए मानदंड :

- (1) ऐसा सेवानुसृत विकास अधिकारी जिसने विकास अधिकारी के रूप में कम से कम दस वर्ष की सेवा पूरी कर ली है और अपनी सेवानुसृति की तारीख को 55 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है—
- (क) सहायक के रूप में पुनर्नियुक्ति के लिए तभी पात्र होगा जब ऐसे व्यक्ति के पास उसकी पुनर्नियुक्ति के समय सहायक के रूप में नियुक्ति के लिए निनिर्दिष्ट अर्हताएं हैं।
- (ख) अभिलेख लिपिक के रूप में पुनर्नियुक्ति के लिए तभी पात्र होगा जब ऐसे व्यक्ति के पास खंड (क) में निनिर्दिष्ट अर्हताएं नहीं हैं किन्तु उसके पास उसकी पुनर्नियुक्ति के समय अभिलेख लिपिक के रूप में नियुक्ति के लिए निनिर्दिष्ट अर्हताएं हैं।
- (2) (क) पुनर्नियुक्ति चाहने वाला सेवासमाप्त विकास अधिकारी सक्षम प्राधिकारी को आवेदन प्रस्तुत करेगा;
- (ख) आवेदन ऐसे शाखा कार्यालय के भारसाधक अधिकारी की मार्फत प्रस्तुत किया जाएगा जहां आवेदक अपनी सेवा समाप्ति से ठीक पहले विकास अधिकारी के रूप में नियोजित था।

(3) प्रत्येक आवेदक का प्रशासनिक अधिकारी से अनिम्न पंक्ति के तीन अधिकारियों से मिलकर बनी समिति द्वारा जिसका नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा गठन किया जाएगा पुनर्नियुक्ति के लिए आवेदक की उपयुक्तता का अवधारण करने के लिए साक्षात्कार किया जाएगा।

स्पष्टीकरण :—पुनर्नियुक्ति के लिए आवेदक की उपयुक्तता का अवधारण करते समय, समिति, आवेदक की सेवा के पिछले अभिलेख, उप पद से जिसमें वह पुनर्नियुक्ति चाहता है, अनुलग्न कार्य की प्रकृति की जानकारी और ऐसे अन्य तथ्यों को, जो उसके विचार में सुसंगत हैं, ध्यान में रखेगी।

(4) कोई सेवा समाप्त विकास अधिकारी तभी पुनर्नियुक्ति किया जाएगा जब वह निगम द्वारा नियुक्त अर्हित चिकित्सा व्यवसायी द्वारा उसके कर्तव्यों के निर्वहन के लिए चिकित्सीय दृष्ट्या योग्य प्रमाणित किया जाए।

### 4. पुनर्नियुक्ति पर वेतन का नियतन :

ऐसे प्रत्येक कर्मचारी का मूल वेतन, यथास्थिति सहायक या अभिलेख लिपिक के वेतनमान के न्यूनतम पर नियत किया जाएगा जैसा कि वह विकास अधिकारी के रूप में सेवा के प्रत्येक दो संपूर्ण वर्षों के लिए ऐसे वेतनमान में एक वेतनवृद्धि के समतुल्य रकम द्वारा वृद्धि करके आए।

परन्तु ऐसे सेवा समाप्त विकास अधिकारी की सेवा में, जिसका वर्ग-3 पद से स्थापित कर दिया गया है, पुनर्नियुक्ति पर मूल वेतन यथास्थिति सहायक या अभिलेख लिपिक के वेतनमान का न्यूनतम होगा जैसा कि वह वर्ग-3 पद में सेवा के प्रत्येक संपूर्ण वर्ष के लिए और विकास अधिकारी के रूप में सेवा के प्रत्येक दो संपूर्ण वर्षों के लिए ऐसे वेतनमान में एक वेतनवृद्धि के समतुल्य रकम द्वारा वृद्धि करके आए।

परन्तु वह और कि इस प्रकार नियत मूल वेतन ऐसे मूल वेतन से अधिक नहीं होगा जिसका वह अपनी सेवा समाप्ति में ठीक पहले हकदार था।

### 5. पुनर्नियुक्ति पर परीक्षा :

इन नियमों के अधीन पुनर्नियुक्ति व्यक्ति, छह मास की अवधि के लिए परीक्षा पर होगा।

परन्तु नियुक्ति प्राधिकारी अपने विवेकानुसार परीक्षा की अवधि को बढ़ा सकेगा किन्तु परीक्षा की कुल अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

### 6. कतिपय प्रसुविधाओं का संरक्षण :

सहायक या अभिलेख लिपिक के रूप में पुनर्नियुक्ति पर विकास अधिकारी पुनरीक्षण नियम के नियम 19 के परन्तुक के निबंधनों के अनुसार अवधारित उपदान, सेवा समाप्ति पर अनुज्ञेय उपदान से कम नहीं होगा।

### 7. निर्वचन :

जहां इन नियमों के निर्वचन के बारे में कोई शंका या कठिनाई उत्पन्न हो वहां वह केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए निर्देशित की जाएगी।

[फा.सं. 2(33)/बीमा. III/89]

एन. आर. रंगनाथन, अपर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## INSURANCE DIVISION

## NOTIFICATION

New Delhi, the 19th January, 1990

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA  
(REAPPOINTMENT OF TERMINATED DEVELOPMENT OFFICERS) RULES, 1990

G.S.R. 23(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (c) of sub-section (2), of Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules regulating reappointment of terminated Development Officers, namely :

## 1. Short title, commencement and application :

- (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India (Reappointment of Terminated Development Officers) Rules, 1990.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1988.
- (3) Notwithstanding anything contained in rule 12 of the Staff Rules, these rules shall apply for the re-appointment of Development Officers whose services are terminated under rule 8 of the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Certain Terms and Conditions of Service) Rules, 1989.

## 2. Definitions :

In these rules, unless the context otherwise requires;—

- (a) “(Staff) Rules” means the Life Insurance Corporation of India (Staff) Rules, 1960;
- (b) “Development Officers’ Revision Rules” means the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Certain Terms and Conditions of Service) Rules, 1989;
- (c) “Termination” means the termination of service in pursuance of Rule 8 of the Development Officers’ Revision Rules ;
- (d) “Terminated Development Officer” means a Development Officer, whose services are terminated in pursuance of Rule 8 of the Development Officers’ Revision Rules ;
- (e) “Reappointment” means reappointment to the service of the Corporation in the post, as the case may be, of Assistant or Record

- (f) Words and phrases used in these rules and not defined but defined in the (Staff) Rules or the Development Officers’ Revision Rules shall have the meaning respectively assigned to them in those Rules.

## 3. Conditions of eligibility and criteria for re-appointment :

- (1) A terminated Development Officer who has completed not less than ten years of service as a Development Officer and has not completed 55 years of age as on the date of his termination will be eligible for reappointment :—
  - (a) As an Assistant, if such person possesses the qualifications specified for appointment as an Assistant at the time of his reappointment;
  - (b) As a Record Clerk, if such person does not possess the qualifications referred to in clause (a) but possesses the qualifications specified for appointment as a Record Clerk at the time of his reappointment.
- (2) (a) A terminated Development Officer seeking reappointment shall submit an application to the competent authority.
- (b) The application shall be submitted through the Officer-in-charge of the Branch Office where the applicant was employed as a Development Officer immediately preceding his termination.
- (3) Every applicant shall be interviewed by a Committee consisting of three Officers not below the rank of Administrative Officer, constituted by the appointing authority, to determine the applicant’s suitability for reappointment.

Explanation : In determining the applicant’s suitability for reappointment the Committee shall have regard to the applicant’s past record of service, familiarity with the nature of the work appurtenant to the post to which he seeks reappointment and such other factors as may be considered relevant by it.

- (4) No terminated Development Officer shall be reappointed unless he has been certified to be medically fit to discharge his duties by a qualified medical practitioner appointed by the Corporation.

## 4. Fixation of pay on reappointment :

The basic pay of every such employee shall be fixed at the minimum of the scale of pay, as the case may be, of Assistant or Record Clerk, as increased by an amount equivalent to one increment in such scale of pay for every two completed years of service—

Provided that in the case of a terminated Development Officer who had been transferred from a Class III post, the basic pay on reappointment shall be the minimum of the scale of pay, as the case may be, of Assistant or Record Clerk, as increased by an amount equivalent to one increment in such scale for each completed year of service in the Class III post, and for every two completed years of service as a Development Officer :

Provided further that the basic pay so fixed shall not be more than the basic pay he was entitled to immediately preceding his termination.

5. Probation on reappointment :

A person reappointed under these rules shall be on probation for a period of 6 months.

Provided that the appointing authority may, at its discretion, extend the period of probation so however that the total period of probation does not exceed one year.

6. Protection of certain benefits :

On reappointment as Assistant or Record Clerk, the gratuity as determined in terms of the proviso to rule 19 of the Development Officers' Revision Rules shall not be less than the gratuity admissible on termination.

7. Interpretation :

Where any doubt or difficulty arises as to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Central Government for its decision.

[F.No. 2(33)|Ins. III|89]

N. R. RANGGANATHAN, Addl. Secy.